Guest lecture entitled **'Samhita a practical approach'** delivered by Dr. B.M. Tripathi (Asst. Prof.) at Dehradun in 7 days residential program 'Ayurveda Kaushalam' organized by **Vishwa Ayurved Parishad** Uttarakhand. Dated:- 06-06-2017 to 12-06-2017.

भावी पीढ़ी का मार्गदर्शन करेंगे आयुर्वेद विशेषज्ञ

विश्व आयुर्वेद परिषद की ओर से आयोजित शिविर को संबोधित करते वक्ता • जागरण

जागरण संवाददाता, देहरादून: विश्व आयुर्वेद परिषद की ओर से मंगलवार को सात दिनी आयुर्वेद विद्यार्थी व्यक्तित्व विकास शिविर का आगाज हुआ। अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित शिविर में देश-प्रदेश के विशेषज्ञ अपना ज्ञान साझा करेंगे। नाड़ी रोग, मर्म चिकित्सा, आयुर्वेद चिकित्सा, पंचकर्म चिकित्सा समेत आयुर्वेद के पारंपरिक ज्ञान पर भावी पीढ़ी का मार्गदर्शन करेंगे।

शिविर का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि आरएसएस के प्रांत प्रचारक युद्धवीर सिंह ने छात्रों को अपडेट व अनुशासित रहने का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ रहा है। उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सौदान सिंह ने कहा कि देश में ऐलोपैथी के मुकाबले आयुर्वेद को कम महत्व दिया गया है। उन्होंने भावी पीढ़ी से आह्वान किया कि आयुर्वेद को वैज्ञानिक आधार देने व अपने कार्यों की प्रमाणिकता के लिए शोध कार्यों से जुड़ें। जैसे डेंगू के इलाज में पपीते का रस सहायक है, इसका विश्लेषण करें, डाटा बनाएं। उत्तराखंड में जड़ी बूटियां बहुत हैं, इनकी उपयोगिता सिद्ध करें। पूर्व स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. आरपी भट्ट ने कहा कि आयुर्वेद खुद में एक संपूर्ण चिकित्सा पद्धति है। इस विधा को आधुनिक चिकित्सा पद्धति से जोड़कर स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा सकता है। पहले सत्र में मुख्य वक्ता ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज के निदेशक प्रो. सुनील जोशी ने मर्म चिकित्सा पर व्याख्यान दिया। द्वितीय सत्र में क्वाडरा आयुर्वेद कॉलेज रुड़की के भूपेंद्र मणि त्रिपाठी ने संहिता-ए प्रेक्टिकल एप्रोच विषय पर व्याख्यान दिया। औषधि निर्माता, चिकित्सक व जड़ी बूटी उत्पादक डॉ. वीरेंद्र वर्मा ने भी अनुभव साझा किए। शिविर के उद्घाटन सत्र का संचालन प्रांत अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र मलिक ने किया। मुख्य संयोजक वैध विमिष गुप्ता ने सभी का आभार जताया।